

हफसीली घाट पुल तोड़ने का विरोध

पुल तोड़ने से बरसात के दिनों में होगी जनता को परेशानी

बेगमगंज, 18 मार्च. बेगमगंज-सुल्तानगंज सड़क निर्माण को लेकर 3 वर्ष हो गए लेकिन अभी तक 25 किलोमीटर मार्ग पूर्ण नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है. बीच-बीच में सड़क अधूरी छोड़े जाने से अभी भी आवागमन में परेशानी हो रही. संबंधित ठेकेदार द्वारा पांडाझिर के पास पुलिया निर्माण में दो वर्ष लगा दिए गए थे, जिसे तोड़ने के बाद बाजू से एप्रोच रोड बनाकर यातायात शुरू कराया गया था लेकिन गत वर्ष वर्षाकाल में 25 से 30 बार जलमग्न होने से आवागमन बंद हो गया था.

जिससे सुल्तानगंज क्षेत्र के 80 गांवों के लोगों को सिलवानी पर से बेगमगंज आना पड़ता था. अब पुनः एमपीआरडीसी द्वारा ठेकेदार पर दबाव बनाकर सेमरी नदी के हफसीली घाट वाले पुल को तोड़कर नए पुल का निर्माण करवाया जा रहा है. इसको लेकर ठेकेदार आवागमन शुरू कर दिया है और पुल को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करा दी है. पता चलते ही पुल



विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

बताया गया है कि इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक देवेन्द्र पटेल द्वारा भी कलेक्टर को पत्र लिखकर इस समस्या से अवगत कराया गया है कि जब पांडाझिर के छोटे से पुल निर्माण में 2 वर्ष लग गए तो सेमरी नदी के हफसीली घाट वाला पुल बड़ा होने के कारण संभवतः ठेकेदार 3 साल लगा दे. अब जबकि वर्षा ऋतु को मात्र तीन माह शेष रह गए हैं और ठेकेदार द्वारा काम लगाया जा रहा है. वर्षाकाल में निश्चित तौर पर आवागमन बाधित होगा और हजारों लोग परेशान होंगे. जरा-सा पानी गिरने से अस्थायी रूप से बनाया गया एप्रोच रोड पर पानी आने से वह बंद हो जाएगा और पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोग बहुत ज्यादा परेशान होंगे. नागरिकों की मांग है कि वर्षाकाल से पूर्व तत्काल काम पूरा कराया जाए. वहीं बेगमगंज से सुल्तानगंज के बीच पांडाझिर, तुलसीपार, मोकपुर के पास सहित पांच स्थानों पर अधूरी सड़क छोड़ दी गई है. इस सड़क को यथाशीघ्र पूरा कराया जाए. जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि वर्षाकाल से पूर्व काम पूर्ण नहीं कराया गया तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा. जिसकी संपूर्ण जिम्मेवारी शासन प्रशासन की होगी.

सुनारी में आज होगा जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

सलामतपुर. भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की सुरक्षा और वारिश के पानी को सहेजने के उद्देश्य से प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में भी 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है. यह अभियान 30 जून तक संचालित किया जाएगा. जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम सांची जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सुनारी में 19 मार्च को सुबह 11.30 बजे से आयोजित किया गया है. इस अभियान में शासन के 15 से अधिक विभागों के साथ ही जनप्रतिनिधियों और आमजन की भी सहभागिता होगी. अभियान के तहत रायसेन जिले में भी मुख्यतः जन-जागरूकता अभियान, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू-जल संवर्धन, पहले से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई, मरम्मत, जल वितरण प्रणालियों की साफ-सफाई, राजस्व रिकॉर्ड में जल संग्रहण संरचनाओं को अंकित करने का कार्य प्राथमिकता से कराया जाएगा. जिले में बनाये गये जलदूतों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता अभियान में की जायेगी.



गेहूं से भरा ट्रक पलटा ड्राइवर-वलीनर घायल

सलामतपुर, 18 मार्च. भोपाल-विदिशा स्टेट हाइवे 18 पर आए दिन हादसे हो रहे हैं. इन हादसों की मुख्य वजह तेज रफ्तार और सड़क का संकरा होना है. बुधवार को दीवानगंज स्थित कुलहाड़िया बिजली घर के सामने बुधवार को सड़क हादसा हो गया. विदिशा से इंदौर गेहूं लेकर जा रहा एक ट्रक सामने से आ रही कार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलटा गया. ट्रक का पहिया सड़क किनारे लगे बिजली के लोहे के खंभों पर चढ़ गया, जिससे टायर फट गया और वाहन असंतुलित होकर पलटा गया. हादसे में ट्रक चालक और वलीनर गंभीर रूप से घायल

हाइवे पर आए दिन हो रहे हैं हादसे

इनका कहना है
थाना क्षेत्र में हाइवे 18 के कुलहाड़िया गांव पर एक गेहूं से भरा हुआ ट्रक कार को बचाने के प्रयास में पलटा गया. जिससे ड्राइवर-वलीनर घायल हो गए. दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दिनेश सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी सलामतपुर

हो गए. सूचना मिलते ही डायल 112 मॉक पर पहुंची और दोनों घायलों को सांची अस्पताल ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए विदिशा रेफर कर दिया गया. बताया जा रहा है कि दोनों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है.

शौघ हो 4 लेन, तब आयेगी हादसों में कमी

सलामतपुर, दीवानगंज व बालमपुर, बेरखेड़ी चौराहा क्षेत्र के लोगों ने भोपाल-विदिशा हाइवे को 4 लेन करने की मांग की है. गौरतलब है कि इस हाइवे पर एक वर्ष में लगभग 50 सड़क हादसे हो चुके हैं. जिसमें पच्चीस से ऊपर लोगों की मौत भी हो चुकी है.

एक नजर में



ब्रिज की रेलिंग तोड़कर ट्रक पलटा

बेगमगंज. सुमेर में खाद से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा गया. गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई. घटना ग्राम सुमेर के आगे पलाईओवर ब्रिज की है, जहां विदिशा से बेगमगंज की ओर आ रहा खाद से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया. बताया जा रहा है कि ट्रक करीब 500 फीट तक ब्रिज की रेलिंग तोड़ता हुआ खेत में जा पलटा. मॉक पर मौजूद ग्रामीणों और डायल 112 के एफआरबी स्टाफ हेड कांस्टेबल श्याम रघुवंशी और पायलट मोहम्मद शाहिद ने तत्परता दिखाते हुए ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला. ड्राइवर के नशे में होने की बात सामने आ रही है. हालांकि उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई है. किन्हाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण संपन्न

सिलवानी. मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ग्राम पटना विकास प्रस्फुटन समिति, सेक्टर चन्दन पिपरिया द्वारा ग्राम पटना में प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक वीरेंद्र यादव तथा परामर्शदाता दशरथ कुशवाहा थे. प्रशिक्षण के दौरान प्रस्फुटन समितियों को जन अभियान परिषद के गठन के उद्देश्य, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई. इसके साथ ही समग्र ग्राम विकास की अवधारणा, प्रस्फुटन समितियों के दस्तावेजीकरण तथा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया गया. परामर्शदाता दशरथ कुशवाहा ने समितियों को आदर्श ग्राम के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया. प्रशिक्षण के उपरान्त उपस्थित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए. मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन नवांकुर समिति के सचिव प्रेमनारायण कुशवाहा ने किया.

प्रहलाद किशोर जैन कर्मयोगी की उपाधि से सम्मानित

उदयपुरा. शिखरजी में ऐतिहासिक वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ. जिसकी सराहना पूरे देश में की गई. कार्यक्रम में भोजन, आवास, पानी व्यवस्था और बाहर से पधार अतिथियों के स्वागत सम्मान में उदयपुरा के प्रहलाद किशोर जैन ने विशेष सहयोग दिया. उनके कार्यों की सभी लोगों ने सराहना की. समाज के लोगों ने उनका सम्मान करते हुए कर्मयोगी की उपाधि से सम्मानित किया. उदयपुरा समाज ने भी प्रहलाद किशोर जैन को श्रेष्ठ कार्य हेतु पुरस्कार से सम्मानित किया.

रायसेन में 11 अप्रैल से कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण

रायसेन. कलेक्टर सहायक में आयोजित बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने रायसेन में 11, 12 तथा 13 अप्रैल को दशराहा मेदान रायसेन में आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के सफल और सुचारु आयोजन हेतु तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए. उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सभी तैयारियां पर्याप्त समय पहले पूर्ण कर ली जाएं.

किराने की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी आग

बेगमगंज, 18 मार्च. ग्राम बड़गावां में एक किराने की दुकान में रात में अचानक आग लग गई. कुछ युवाओं की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया. बड़गावां निवासी इंद्रपाल लोधी अपनी किराने की दुकान बंद करके घर भोजन करने के लिए गए थे, तभी अचानक बिजली के बोर्ड ने शार्ट सर्किट से आग पकड़ ली. धीरे-धीरे आग पूरी दुकान में फैल गई, जिससे वहां रखा किराने का सामान और अनाज आदि जल गया. रोशनदान से आग की लपटें देख दर्जनों लोग अपने घरों से पानी लाकर आग बुझाने में जुट गए. आग बुझाने से पहले बिजली की लाइन को काट दिया ताकि करंट न फैल सके. आग बुझाने में दीपराज सिंह, हल्के भाई, इन्द्रराज सिंह मयंक, प्रद्युम्न, खिलान सिंह, लाखन सिंह, आनंद सिंह, वृजेन्द्र सिंह के साथ दर्जन लोगों ने आग बुझाने में अहम भूमिका अदा की.



गौ सम्मान यात्रा का बोरस घाट पर समापन

उदयपुरा, 18 मार्च. गौमाता सुरक्षा, सम्मान और भारत में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगने की मांग को लेकर गौ सम्मान आंदोलन अभियान यात्रा निकाली गई. गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, गौ सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू करने, केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय, गोचर बोर्ड बनाने आदि की मांग को लेकर बाड़ी से प्रारंभ गौ सम्मान यात्रा का उदयपुरा होते हुए निकटवर्ती नर्मदा तट बोरस घाट पर समापन हुआ. यात्रा में कुलशुभा गौ सेवा समिति के सदस्य सहित रामचरिमानस विद्यापीठ के प्रमुख राष्ट्रीय अध्यक्ष चतुरनारायण रघुवंशी, राजू पंडित, बलराम, राजेंद्र सिंह, सविता बड़ी संख्या में गौ प्रेमी शामिल हुए.

जंगल में लगी आग से मची अफरा-तफरी

क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करने की मांग

सलामतपुर, 18 मार्च. सांची विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुनिया के कायमपुर गांव में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे घरों के पीछे स्थित जंगल में भीषण आग लग गई. आग तेजी से फैलने लगी. जंगल के पास ही मकान बने हुए हैं, इसलिए ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया. ग्रामीणों ने तत्काल सांची फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन वहां से फायर ब्रिगेड उपलब्ध नहीं हो सकी.

इसके बाद रायसेन से फायर ब्रिगेड मॉक पर पहुंची. ग्रामीणों ने भी अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया. काफी मशकत के बाद फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की संयुक्त मेहनत से आग पर काबू पाया जा सका. सरपंच प्रतिनिधि राकेश आदिवासी ने बताया कि सलामतपुर, दीवानगंज सहित



आसपास क्षेत्र में कहीं भी फायर ब्रिगेड की स्थायी व्यवस्था नहीं है. सांची या रायसेन से दमकल बुलाना पड़ती है, जिसमें एक से डेढ़ घंटे का समय लग जाता है. इस दौरान आग से बड़ा नुकसान होने की आशंका बनी रहती है.

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गमी के मौसम को देखते हुए दीवानगंज पुलिस चौकी या सलामतपुर थाने में फायर ब्रिगेड की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि आपात स्थिति में समय रहते आग पर काबू पाया जा सके. पिछले दिनों थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक में सुनारी सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह राजपूत और बबलू पटान ने क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करने को लेकर सुझाव दिया था. उन्होंने बताया कि गमी के मौसम में क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं बढ़ जाती हैं. हादसों के समय फायर ब्रिगेड सांची या रायसेन से सलामतपुर आती है. जिसमें काफी समय लग जाता है.

ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद उन्हें पानी जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है. वर्तमान में पूरा टोला सूखे हैंडपंपों के सहारे है, जो गमी के चलते जवाब दे चुके हैं.

कई बार पीएचई को दी गई, लेकिन योजना को पंचायत को हैंडओवर करने की बात कही जा रही है. उनका कहना है कि जब योजना अधूरी और जर्जर हालत में है तथा आज तक चालू नहीं हुई, तो उसे पंचायत कैसे अपने जिम्मे ले सकती है. पहले योजना को पूर्ण कर चालू किया जाए, उसके बाद ही हैंडओवर संभव है.



गांवों में ही छोटी इकाइयों को स्थापित करें : रघुवंशी

उदयपुरा, 18 मार्च. मप्र जन अभियान परिषद की चयनित नवकुर संस्था शिव शक्ति फाउंडेशन द्वारा ग्राम अंडिया में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, इस प्रशिक्षण में विकासखंड समन्वयक राममोहन रघुवंशी ने कहा कि ग्राम को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण लेकर गांव में छोटी-छोटी इकाई स्थापित करें.

गांव के युवा दुग्ध उत्पादन में रुचि दिखाएं. इस पर प्रशिक्षण दिया गया. महिलाएं स्व सहायता समूह बनाकर आत्मनिर्भर बनें. प्रस्फुटन समितियां अपने ग्राम में समाज के साथ मिलकर स्वावलंबन पर कार्य करें. इस प्रशिक्षण में सरपंच रुद्रपाल सिंह, शिव शक्ति फाउंडेशन से सुनीता दुबे, मनोज राजपूत, यशपाल सिंह राजपूत, गजेंद्र लोधी, शैलेंद्र लोधी, इंद्रपाल सिंह राजपूत, शिव शरण सिंह राजपूत, परामर्शदाता गीता व्यास उपस्थित रही.

कार्यक्रम रायसेन में दो दिवसीय उद्यानिकी कृषक सेमिनार एवं प्रदर्शनी का समापन

किसान फलदार बगीचा लगाकर बढ़ाए आमदनी : कलेक्टर

रायसेन, 18 मार्च. कृषि विज्ञान केंद्र नक्तारा में उद्यानिकी विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक सेमिनार एवं प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ. इस अवसर पर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, जनपद सदस्य देवेन्द्र कुशवाहा तथा अन्य जनप्रतिनिधि और उद्यानिकी तथा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे. कलेक्टर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि



जिले में परम्परागत फसलों धान-गेहूं की खेती बहुतायत में की जा रही है, जिसमें अधिक लागत आती है और मुनाफा काफी कम होता है, जबकि उद्यानिकी फसलें अदरक, हल्दी, धनिया, लहसुन में उत्पादन अधिक होने से मुनाफा लगभग 1 से 1.5 लाख रूपए प्रति एकड़ तक होता है. इसी तरह फलदार

बगीचा आम, अमरूद, चीकू, सीताफल आदि से भी प्रति एकड़ मुनाफा अधिक होता है. किसान खाद्य फसलों के साथ-साथ फलदार बगीचा व उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती करके अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं. किसान सुदीप चौरसिया द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन पर, कृषक रणधीर पुनिया द्वारा जैविक तरीके से टमाटर उत्पादन पर, कृषक झलकन शाक्या द्वारा फलदार बगीचा व प्राकृतिक खेती, कृषक पर्वत कुशवाहा द्वारा लो कॉस्ट शेड नेट हाउस पर खीरा उत्पादन पर विस्तारपूर्वक अनुभव साझा

टपक सिंचाई पद्धति से कम क्षेत्रफल में भी लाभ

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वजित दुबे ने कहा कि किसान लघु उद्योग लगाकर खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, टमाटर की प्यूरी बनाना, प्याज व लहसुन का पेस्ट बनाना, आलू का पाउडर बनाना, फसलों को अधिक दिन तक संरक्षित कर उचित मूल्य प्राप्त कर सकते हैं. उद्यानिकी वैज्ञानिक मुकुल कुमार ने बताया गया कि किसान पौध रोपण एवं टपक सिंचाई पद्धति का प्रयोग कर कम से कम क्षेत्रफल में भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं, तथा परम्परागत खेती के अलावा उद्यानिकी के अन्तर्गत फल-बगीचा, फूलों की खेती, ड्रिप व मल्टिग तकनीक पर सविज्ञानों की खेती कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं. कार्यक्रम में सुनील सोने सहायक संचालक कृषि, वैज्ञानिक डॉ. मुकुल कुमार, रंजीत सिंह राघव, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. अंशुमान गुप्ता भी उपस्थित थे.

किये. सहायक संचालक उद्यानिकी नीलम पाटिल ने उद्यानिकी के क्षेत्र में सघन बागवानी, संरक्षित खेती, ड्रिप, मल्टिग तकनीक, प्रो-ट्रे तकनीक की जानकारी दी.